# LEARN TABLA

## Hand-Book of Tabla

(HINDI)

by

MANJEET SINGH

# ***Hand-Book of Tabla***

By


## *Manjeet Singh*

*B.A., M.A. Tabla(Punjabi University, Patiala)*

*Tabla Visharad(Gandharva Mahavidalaya)*

# ♦ *विषय-सूची* ♦


| | | |
|---|---|---|
| 1. | तबला का परिचय…… | 1 |
| 2. | तबले के अंग…… | 3 |
| 3. | तबले के वर्ण…… | 4 |
| 4. | परिभाषाशायें…….... | 7 |
| 5. | आरम्भिक रचनायें……... | 10 |
| 6. | तीन ताल……. | 12 |
| 7. | कायदा न. 1 (घेघे तिट)…… | 13 |
| 8. | कायदा न. 2 (धाती धाती)…… | 15 |
| 9. | कायदा न. 3 (धाधा तिट)…….. | 18 |
| 10. | कायदा न. 4 (धाधा तिटकिट)…….. | 21 |
| 11. | रेला (धा तिटकिट)…… | 24 |
| 12. | ठेका – दादरा ताल, रूपक ताल, कहरवा ताल……. | 26 |
| 13. | विष्णु दिगम्बर भातखंडे ताल लिपि पद्धति……... | 29 |
| 14. | अपना निशुल्क सैशन बुक करें..... | 31 |
| 15. | आपका तबला ट्यूटर..... | 32 |
| 16. | हमारे सोशल मीडिया एकाउंट्स..... | 33 |

# 1.तबले का परिचय

तबला एक **अवनध वाद्य** है , ऐसे वाद्य जिन्हें हाथ द्वारा प्रहार करके ध्वनि उत्पन्न हो अवनध वाद्य कहलाते हैं | यह भारतीय संगीत का सबसे महत्पूर्ण तथा लोकप्रिय वाद्य है | इसके दो भाग होते हैं- **तबला** और **बायाँ** | दायें तबले को तबला, चट्टू, पुड़ा के नाम से भी जाना जाता है तथा बाएं तबले को धामा, डुग्गी, बायाँ के नाम से जाना जाता है | इन दोनों के मुख पर चमड़ा मढ़ा होता है जिस पर लोहे-चूर्ण के मिश्रण वाली स्याही लगी होती है | इसी पर अघात करने से ध्वनि उत्पन्न होती है | दोनों तबलों को चमड़े की ही बद्धी द्वारा कसा जाता है | दायें तबले पर लकड़ी के गोल गिट्टे भी लगाये जाते हैं ताकि आवश्यकता अनुसार उसे कसा या ढीला किया जा सके | बायें तबले पर केवल बद्धी ढीली होने पर ही पतले-पतले गिट्टे लगाये जाते है |

इस साज का निर्माण दिल्ली के **उस्ताद सिधार खान 'ढाढ़ी'** (मूलतया पंजाब निवासी) ने किया था | सर्वप्रथम उन्होंने ही तबले पर लोह-चूर्ण के मिश्रण वाली स्याही लगाकर पखावज के खुल्ले बोलों में परिवर्तन कर उँगलियों द्वारा बजाने की प्रथा आरम्भ कर एक नवीन शैली का निर्माण किया |

तबले के वर्तमान समय में 6 घराने हैं –

- दिल्ली घराना,
- अजराड़ा घराना,
- लखनऊ घराना,
- फरुखाबाद घराना,
- बनारस घराना तथा
- पंजाब घराना |

तबले का पहला घराना **दिल्ली घराना** है, फिर समय के साथ बाकि घराने दिल्ली घराने की शाखाओं की तरह बनते चले गये | परन्तु पंजाब घराना एक स्वतंत्र घराना है इसका इतिहास एवं बाज बाकि घरानों से अलग है |

# 2. तबला के अंग

| तबला | बायाँ |
|---|---|
| 1. किनार,<br>2. मैदान या लव,<br>3. स्याही,<br>4. गजरा,<br>5. काठ,<br>6. बद्धी,<br>7. गिट्टे<br>8. बिन्नू या गद्दे | 1. किनार,<br>2. मैदान या लव,<br>3. स्याही,<br>4. गजरा,<br>5. कुंभ,<br>6. बद्धी,<br>7. गिट्टे,<br>8. बिन्नू या गद्दे |

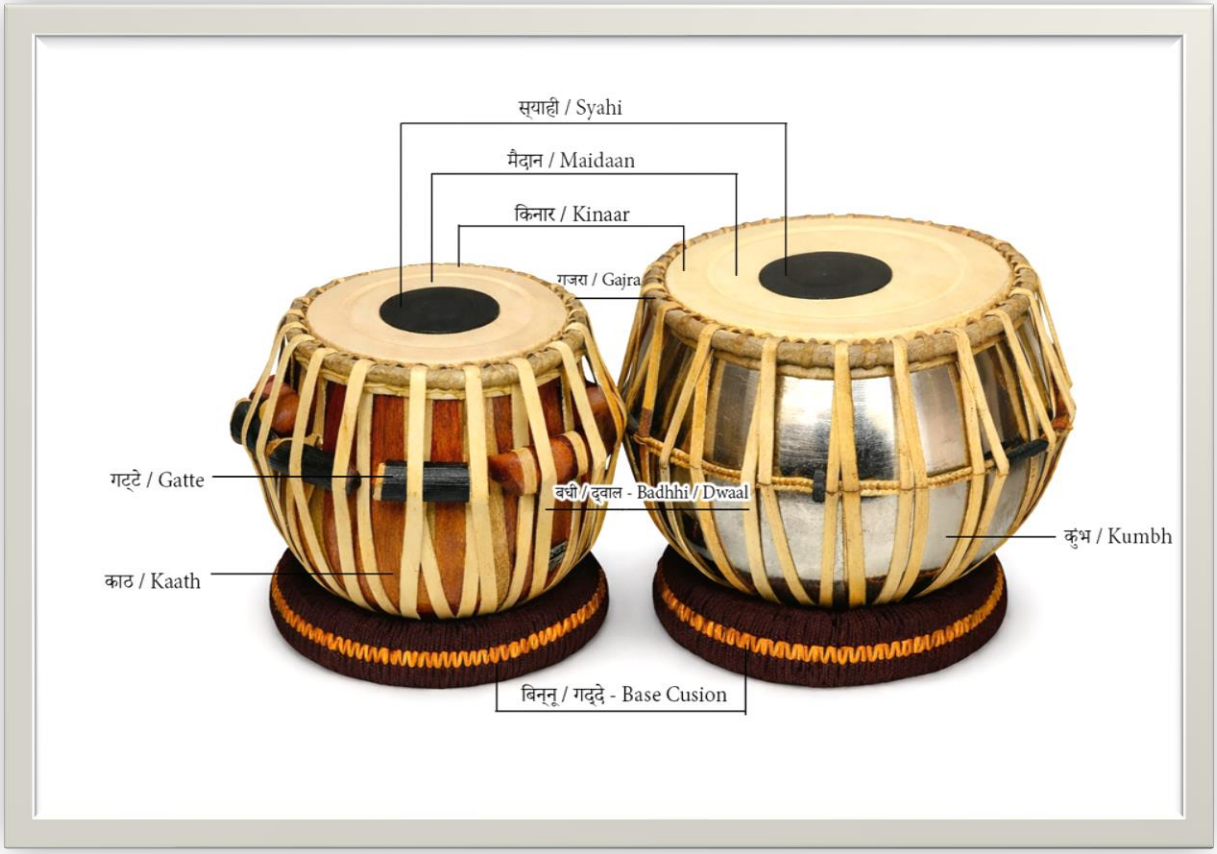

# 3. तबले के वर्ण तथा निकास

**तबले के कुल १० मुख्य वर्ण होते हैं |**

**दायें तबले के वर्ण:** ता अथवा ना, तिन, दीं, तूं, ति, ट.

**बायें तबले के वर्ण:** घे, गे, का, के, कि, कत.

आइये अब इन वर्णों के निकास पर चर्चा करें-

**ता** अथवा **ना**: दाहिने हाथ की अनामिका को स्याही के किनारे पर रखते हुए तर्जनी से किनार पर आघात करने से बजता है |

Soul of Rhythm

***Scan QR for Video Tutorial***
***TA / NA***

**तू**: तर्जनी से स्याही के प्रारंभिक भाग पर आघात कर तुरन्त उठा लेने से तिन की खुली ध्वनि उत्पन्न होगी |

Soul of Rhythm

Scan QR for Video Tutorial
***Tu***

**तिट**: दाहिने हाथ की मध्यमा से स्याही के बीचों बीच बंद आघात कर 'ति' वर्ण बजाया जाता है | दाहिने हाथ की तर्जनी से स्याही के बीचो बीच बंद आघात कर 'ट' वर्ण बजाया जाता है |

Soul of Rhythm

***Scan QR for Video Tutorial***
***Tit***

**तिन:** यह वर्ण बजाने के लिए अनामिका ऊँगली को थोडा मोडकर, तर्जनी से मैदान पर अघात करना होगा | आघात हल्का तथा सुफुर्त होना चाहिए |

Scan QR for Video Tutorial
***Tin***

**घे** अथवा **गे**: बाएं हाथ की हथेली को स्याही के किनारे पर रखकर अनामिका और मध्यमा अथवा तर्जनी के अग्र भाग से लव पर आघात करने से ये वर्ण उत्पन्न होगा | बजाते समय  हाथ सर्प के फन की भांति घुमावदार स्थिति में रहेगा |

Scan QR for Video Tutorial
***Ghe***

Scan QR for Video Tutorial
***Ge***

**का**, **के**, **कि**: बाएं हाथ की चारों उँगलियों को मिलाकर बाएं पर थपकी लगा देने से यह वर्ण उत्पन्न होगा |

Scan QR for Video Tutorial
***Ka /Ke / Ki***

**कत**: यह वर्ण ठीक “का” वर्ण की ही तरह बजता है परन्तु इससे थोडा जोर से हाथ उठाकर बजाया जाता है |

Scan QR for Video Tutorial
***Kat***

**दोनों हाथों से बजने वाले संयुक्त वर्ण:**

**धा**: दायें हाथ के 'ता' वर्ण के साथ बाएं हाथ से 'घे' वर्ण को एक साथ बजाने पर 'धा' वर्ण उत्पन्न होगा |

Scan QR for Video Tutorial
***Dha***

**धिन**: दायें हाथ के 'तिं' वर्ण के साथ बाएं हाथ से 'घे' वर्ण को एक साथ बजाने पर 'धा' वर्ण उत्पन्न होगा |

Scan QR for Video Tutorial
***Dhin***

**तिटकिट**: 'तिट' बोल को बजाने के लिए दायें तबले पर स्याही के मध्य भाग में मध्यमा ऊँगली से बंद आघात कर 'ति' वर्ण बजाया जायेगा, फिर स्याही के मध्य भाग में तर्जनी ऊँगली से बंद आघात करके 'ट' वर्ण प्राप्त होगा | 'किट' वर्ण को बजाने के लिए पहले बाएँ तबले पर हाथ सीधा रखकर 'क' वर्ण बजाना है तथा उसके बाद दायें तबले पर स्याही के मध्य भाग में अनामिका ऊँगली से बंद आघात करना है |

Scan QR for Video Tutorial
***Titkit***

# 4. परिभाषाएँ

1. **मात्रा**- यह ताल को मापने की इकाई है | वर्तमान समय में एक सेकंड के समय को एक मात्रा के समान काल वाला माना गया है | उदाहरण के लिए जैसे कपड़ा नापने के लिए मीटर, सड़क नापने के लिए किलोमीटर होता है, ठीक उसी प्रकार ताल की अवधि को नापने के लिए मात्रा का प्रयोग किया जाता है | जैसे तीन ताल को नापने के लिए 16 मात्रा चाहिए तथा दादरा ताल को नापने के लिए 6 मात्रा |

2. **ताल**- भारतीय शास्त्रीय संगीत में समय को नापने के लिए जिस इकाई का प्रयोग होता है उसे ताल कहते हैं | उदाहरण के लिए यदि कोई कलाकार 6 मात्रा काल की रचना प्रस्तुत कर रहा है तो हमारे पास दादरा ताल है, यदि कोई 8 मात्रा काल की रचना प्रस्तुत कर रहा है तो हमारे पास कहरवा ताल है |

3. **सम**- ताल की पहली मात्रा को सम कहा जाता है | प्रत्येक रचना सम पर ही समाप्त होती है |

| धा | धिं | ना | धा | तिं | ना |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| X | | | 0 | | |
| सम | | | खाली | | |

4. **ताली**- जब हम ताल को हस्त-विधि से गिनते हुए कुछ स्थानों पर दोनों हाथों को आपस में टकराते हैं, यह क्रिया ताली कहलाती है | पढंत करते समय ताल के सही स्थान की पहचान हेतु इसका प्रयोग किया जाता है |

| धिं | ना | धिं | धिं | ना | तिं | ना | धिं | धिं | ना |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| X | | 2 | | | 0 | | 3 | | |
| ताली | | ताली | | | खाली | | ताली | | |

5. **खाली** - जब हम ताल को हस्त-विधि से गिनते हुए कुछ स्थानों पर हाथ को हवा में लहराते हुए मात्रा गिनते हैं, यह क्रिया खाली कहलाती है | पढंत करते समय ताल के सही स्थान की पहचान हेतु इसका प्रयोग किया जाता है |

| धिं | ना | धिं | धिं | ना | तिं | ना | धिं | धिं | ना |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| X | | 2 | | | 0 | | 3 | | |
| ताली | | ताली | | | खाली | | ताली | | |

6. **आवर्तन**- आवर्तन का अर्थ होता है- आवर्त होना या किसी के चारों घूमना | जब ताल अपना एक चक्र पूरा कर लेती है अर्थात जब हम ताल को उसकी पहली से अंतिम मात्रा तक बजा लेते हैं तो यह उसका एक आवर्तन कहलाता है |

**एक आवर्तन**

| धा | धिं | ना | धा | तिं | ना |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| X | | | 0 | | |
| सम | | | खाली | | |

**दो आवर्तन**

| धा | धिं | ना | धा | तिं | ना |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| X | | | 0 | | |
| सम | | | खाली | | |
| | | | | | |
| धा | धिं | ना | धा | तिं | ना |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| X | | | 0 | | |
| सम | | | खाली | | |

7. **तिहाई**- धा युक्त एक ऐसा बोल समूह जो तीन बार बिना किसी बदलाव के बजने पर सम पर समाप्त हो, तिहाई कहलाता है |

कहरवा ताल में तिहाई का उदाहरण:

| धाधा | तिट | **धाS** | धाधा | तिट | **धाS** | धाधा | तिट | **धा** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 1 |
| X | | | | 0 | | | | X |
| सम | | | | खाली | | | | सम |

आप यहाँ देख सकते हैं कि सभी तीन बंद एक समान हैं तथा इनमे बिना कोई बदलाव किये जब हमने इन्हें बजाया तो यह सम पर समाप्त हुए | आप किसी भी बोल समूह से तिहाई का निर्माण क्र सकते हैं | उदाहरण के लिए हमने तिहाई बनाने के लिए 2 मात्रा के 'धाधा तिट' बोल का प्रयोग किया पर आप इस बोल की जगह कोई भी बोल 2 मात्रा का बोल लगाकर नयी तिहाई बना सकते हैं |

अभ्यास के लिए 2 मात्रा के कुछ बोल समूह

| | | |
|---|---|---|
| धाधा तिटकिट | किडनक तिटकिट | कता तिटकिट |
| धाधा तिना | किडनक कड़ान | कड़ान धाधा |
| तिना किना | कता तिट | तिटकिट धाधा |
| धाती धाती | तूना कता | धिना गिना |

# 5. आरंभिक रचनाएँ अभ्यास हेतु

इस अध्याय में हम कुछ आरम्भिक रचनाएँ सीखेंगे जिसकी सहायता से हम बोलों को एक साथ जोड़कर तथा लय-बद्ध तरीके से बजाने में सक्षम हो सकेंगे | यह अध्याय नये विद्यार्थियों के लिए लाभप्रद होगा | विद्यार्थियों की सुविधा के लिए हाथ की उँगलियों के नाम नीचे दिए गये चित्र में ध्यान पूर्वक देखें, जिससे आपको बोलों का निकास समझने में आसानी होगी |

1.

ति ट ना ना

**तिट नाना**- इस बोल को बजाने के लिए दायें तबले पर स्याही के मध्य भाग में माध्यम ऊँगली से बंद आघात कर 'ति' वर्ण बजाया जायेगा, फिर स्याही के मध्य भाग में तर्जनी ऊँगली से बंद आघात करके 'ट' वर्ण प्राप्त होगा | 'ना' वर्ण के लिए तर्जनी ऊँगली से किनार पर आघात किया जायेगा |

(नोट: बोलों को बजाते समय यह ध्यान रहे कि सभी बोलों के मध्य का विश्राम-काल एक समान हो, ताकि एक लय का निर्माण हो सके |)

Scan QR for Lesson Video
***Tit Nana***

2.

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धि | ट | ना | ना | ति | ट | धा | ना | |

**धिट नाना** - इस बोल को बजाने के लिए बाएँ तबले पर 'घे' वर्ण के साथ दायें तबले पर स्याही के मध्य भाग में माध्यम ऊँगली से बंद आघात कर 'ति' वर्ण बजाया जायेगा,जिससे 'धि' वर्ण की प्राप्ति होगी | फिर स्याही के मध्य भाग में तर्जनी ऊँगली से बंद आघात करके 'ट' वर्ण प्राप्त होगा | 'ना' वर्ण के लिए तर्जनी ऊँगली से किनार पर आघात किया जायेगा |

तिट धाना - इस बोल को बजाने के लिए दायें तबले पर स्याही के मध्य भाग में माध्यम ऊँगली से बंद आघात कर 'ति' वर्ण बजाया जायेगा, फिर स्याही के मध्य भाग में तर्जनी ऊँगली से बंद आघात करके 'ट' वर्ण प्राप्त होगा | 'धा' वर्ण के लिए बाएँ तबले पर 'घे' तथा दाएँ तबले पर तर्जनी ऊँगली से किनार पर 'ना' वर्ण बजाया जायेगा | 'ना' वर्ण के लिए तर्जनी ऊँगली से किनार पर आघात किया जायेगा |

(नोट: बोलों को बजाते समय यह ध्यान रहे कि सभी बोलों के मध्य का विश्राम-काल एक समान हो, ताकि एक लय का निर्माण हो सके |)

Scan QR for Lesson Video
***Dhit Nana***

# 6. तीन ताल

यह ताल भारतीय शास्त्रीय संगीत का सर्वाधिक लोकप्रिय ताल है | इस ताल की 16 मात्राएँ होती हैं | यह ताल 4 मात्रा के 4 विभागों में विभाजित है | इस ताल की ताली - 1,5 तथा 13 पर है तथा खाली - 9 पर |

***<u>तीन ताल ठेका</u>***

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धा | धिं | धिं | धा | धा | धिं | धिं | धा |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| X | | | | 2 | | | |
| धा | तिं | तिं | ता | ता | धिं | धिं | धा |
| 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 |
| O | | | | 3 | | | |

Scan QR for Lesson Video
***Teen Taal Theka***

**निकास**- इस ठेके का निकास ऊपर दिए गये 'ता तिं तिं ता' तथा 'धा धिं धिं धा' जैसा ही है केवल धा, ता, तिं, धिं के स्थान के अनुरूप हाथों की क्रिया चलाते रहिये | ठेके का अभ्यास कम से कम 5 मिनट अवश्य करें ताकि आपको ठेके को संगत के समय लगातार बजाने में मुश्किल ना हो | अगले अध्याय पर जाने से पहले कम से कम 1 हफ्ता अब तक के दिए पाठ्यक्रम का रियाज़ अवश्य करें |

# 7. कायदा(घेघे तिट)

इस अध्याय से हम तीन ताल में कायदा बजाना सीखना आरम्भ करेंगे | नीचे दिए गये कायदे को बजाने के लिए छात्र मध्य लय का प्रयोग करें | नीचे दी गयी नोटेशन से आपको मात्रा के अनुसार बोल बजाने का ज्ञान होता रहेगा | बोलों का निकास अध्याय 4 की तीसरी रचना जैसा ही है, इसलिए इस कायदा रचना का निकास नहीं दिया जा रहा है | लय का अनुसरण करने के लिए आप लहरा सॉफ्टवेयर, नगमा या मेट्रोनोम की सहायता ले सकते हैं |

कायदा न. 1

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| घेघे<br>X | तिट | घेघे | नाना | केके<br>2 | तिट | घेघे | नाना |
| घेघे<br>O | तिट | घेघे | नाना | केके<br>3 | तिट | घेघे | नाना |

पलटा 1

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| घेघे | तिट | घेघे | तिट | घेघे | तिट | घेघे | नाना |
| केके | तिट | केके | तिट | घेघे | तिट | घेघे | नाना |

पलटा 2

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| घेघे | तिट | तिट | तिट | घेघे | तिट | घेघे | नाना |
| केके | तिट | तिट | तिट | घेघे | तिट | घेघे | नाना |

पलटा 3

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| तिट | तिट | घेघे | तिट | घेघे | तिट | घेघे | नाना |
| तिट | तिट | केके | तिट | घेघे | तिट | घेघे | नाना |

पलटा 4

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| घेघे | नाना | घेघे | तिट | घेघे | तिट | घेघे | नाना |
| केके | नाना | केके | तिट | घेघे | तिट | घेघे | नाना |

पलटा 5

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| घेघे | नाना | घेघे | नाना | घेघे | तिट | घेघे | नाना |
| केके | नाना | केके | नाना | घेघे | तिट | घेघे | नाना |

तिहाई

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| घेघे | तिट | घेघे | नाना | **धाS** | **SS** | घेघे | तिट |
| घेघे | नाना | **धाS** | **SS** | घेघे | तिट | घेघे | नाना |

**धा**

चक्रदार तिहाई

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| घेघे | तिट | घेघे | नाना | घेघे | तिट | घेघे | नाना |
| धाS | **SS** | **SS** | **SS** | घेघे | तिट | घेघे | नाना |
| घेघे | तिट | घेघे | नाना | धाS | **SS** | **SS** | **SS** |
| घेघे | तिट | घेघे | नाना | घेघे | तिट | घेघे | नाना |

धा

**(नोट**:अगले अध्याय पर जाने से पहले कम से कम 1 हफ्ता अध्याय 1 से 7 तक के पाठ्यक्रम का रियाज़ अवश्य करें |)

Scan QR for Lesson Video
***Basic Kaida 1***

# 8. कायदा(धाती धाती)

इस अध्याय से हम तीन ताल में कायदा बजाना सीखना आरम्भ करेंगे | नीचे दिए गये कायदे को बजाने के लिए छात्र मध्य लय का प्रयोग करें | नीचे दी गयी नोटेशन से आपको मात्रा के अनुसार बोल बजाने का ज्ञान होता रहेगा |

कायदा न. 2

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाती<br>X | धाती | धाधा | तिना | ताती<br>2 | ताती | धाधा | धिना |
| धाती<br>O | धाती | धाधा | तिना | ताती<br>3 | ताती | धाधा | धिना |

**निकास**- 'धाती' वर्ण बजाने के लिए पहले बाएँ तबले पर 'घे' वर्ण के साथ दायें तबले पर 'ता' वर्ण बजाने से 'धा' तथा दायें तबले की स्याही के मध्य भाग में माध्यमा ऊँगली से बंद आघात कर 'ती' वर्ण बजाया जाता है | 'धा' वर्ण बजने के लिए बाएँ तबले पर 'घे' तथा दायें तबले की किनार पर तर्जनी ऊँगली से आघात करेंगे | 'तिना' वर्ण में पहले तर्जनी ऊँगली से स्याही के कोने पर खुला अघात किया जायेगा फिर 'ना' वर्ण के लिए उसी तर्जनी ऊँगली से किनार पर आघात किया जाता है | आगे दिए गये पलटों तथा तिहाई का निकास भी इसी प्रकार रहेगा |

पलटा 1

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाती | धाती | धाती | धाती | धाती | धाती | धाधा | तिना |
| ताती | ताती | ताती | ताती | धाती | धाती | धाधा | धिना |

पलटा 2

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाती | धाती | धाती | धाधा | धाती | धाती | धाधा | तिना |
| ताती | ताती | ताती | ताता | धाती | धाती | धाधा | धिना |

पलटा 3

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाती | धाधा | धाती | धाधा | धाती | धाती | धाधा | तिना |
| ताती | ताता | ताती | ताता | धाती | धाती | धाधा | धिना |

पलटा 4

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाती | Sधा | तीS | धाधा | धाती | धाती | धाधा | तिना |
| ताती | Sता | तीS | ताता | धाती | धाती | धाधा | धिना |

पलटा 5

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाती | Sधा | तीS | धाती | धाती | धाती | धाधा | तिना |
| ताती | Sता | तीS | ताती | धाती | धाती | धाधा | धिना |

तिहाई

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाती | धाती | धाधा | तिना | धाS | SS | धाती | धाती |
| धाधा | तिना | धाS | SS | धाती | धाती | धाधा | तिना |
| धा | | | | | | | |

(**नोट**: तिहाई में दिया गया 'S' चिह्न विश्राम काल का चिह्न है | यहाँ आपको कुछ नहीं बजाना परन्तु कोशिश यही होनी चाहिए की 'S' से पहले की मात्रा पर खुला आघात हो ताकि उसकी गूँज इस विश्राम-काल में सुनाई दे | यह तिहाई एक आवर्तन की है, जिसे साधारण तिहाई भी कहा जाता है |

**आवर्तन- ताल के ठेके का एक बार अनुसरण करने को कहते हैं, जैसे तीन ताल कि 16 मात्राएँ एक आवर्तन हुई तथा दो बार ठेका बजने पर दो आवर्तन हुए |**

चक्रदार तिहाई

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाती | धाती | धाधा | तिना | धाती | धाती | धाधा | तिना |
| धाS | SS | SS | SS | धाती | धाती | धाधा | तिना |
| धाती | धाती | धाधा | तिना | धाS | SS | SS | SS |
| धाती | धाती | धाधा | तिना | धाती | धाती | धाधा | तिना |
| धा | | | | | | | |

**(नोट**:अगले अध्याय पर जाने से पहले कम से कम 1 हफ्ता अध्याय 1 से 8 तक के पाठ्यक्रम का रियाज़ अवश्य करें |)

Soul of Rhythm

Scan QR for Lesson Video

***Basic Kaida 2***

# 9. कायदा(धाधा तिट)

इस अध्याय से हम तीन ताल में 'धाधा तिट' का कायदा बजाना सीखना आरम्भ करेंगे | नीचे दिए गये कायदे को बजाने के लिए छात्र मध्य लय का प्रयोग करें | नीचे दी गयी नोटेशन से आपको मात्रा के अनुसार बोल बजाने का ज्ञान होता रहेगा |

कायदा न. 3

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाधा<br>X | तिट | धाधा | तिना | ताता<br>2 | तिट | धाधा | धिना |
| धाधा<br>O | तिट | धाधा | तिना | ताता<br>3 | तिट | धाधा | धिना |

**निकास**- 'धा' वर्ण बजाने के लिए बाएँ तबले पर 'घे' वर्ण के साथ दायें तबले पर 'ता' वर्ण बजाया जाता है | 'तिट' बोल को बजाने के लिए दायें तबले पर स्याही के मध्य भाग में माध्यम ऊँगली से बंद आघात कर 'ति' वर्ण बजाया जायेगा, फिर स्याही के मध्य भाग में तर्जनी ऊँगली से बंद आघात करके 'ट' वर्ण प्राप्त होगा | 'तिना' वर्ण में पहले तर्जनी ऊँगली से स्याही के कोने पर खुला अघात किया जायेगा फिर 'ना' वर्ण के लिए उसी तर्जनी ऊँगली से किनार पर आघात किया जाता है | 'धिना' वर्ण में पहले बाएँ तबले पर 'घे' के साथ दायें तबले पर तर्जनी ऊँगली से स्याही के कोने पर खुला अघात किया जायेगा फिर 'ना' वर्ण के लिए उसी तर्जनी ऊँगली से किनार पर आघात किया जाता है | आगे दिए गये पलटों तथा तिहाई का निकास भी इसी प्रकार रहेगा |

पलटा 1

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाधा | तिट | धाधा | तिट | धाधा | तिट | धाधा | तिना |
| ताता | तिट | ताता | तिट | धाधा | तिट | धाधा | धिना |

पलटा 2

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाति | टधा | धाधा | तिट | धाधा | तिट | धाधा | तिना |
| ताति | टता | ताता | तिट | धाधा | तिट | धाधा | धिना |

पलटा 3

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाधा | धाति | टधा | तिट | धाधा | तिट | धाधा | तिना |
| ताता | ताति | टता | तिट | धाधा | तिट | धाधा | धिना |

पलटा 4

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाति | टधा | तिट | तिट | धाधा | तिट | धाधा | तिना |
| ताति | टता | तिट | तिट | धाधा | तिट | धाधा | धिना |

पलटा 5

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाधा | Sधा | धाधा | तिट | धाधा | तिट | धाधा | तिना |
| ताता | Sता | ताता | तिट | धाधा | तिट | धाधा | धिना |

तिहाई

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाधा | तिट | धाधा | तिना | धाS | SS | धाधा | तिट |
| धाधा | तिना | धाS | SS | धाधा | तिट | धाधा | तिना |
| धा | | | | | | | |

(**नोट**: तिहाई में दिया गया 'S' चिह्न विश्राम काल का चिह्न है | यहाँ आपको कुछ नहीं बजाना परन्तु कोशिश यही होनी चाहिए की 'S' से पहले की मात्रा पर खुला आघात हो ताकि उसकी गूँज इस विश्राम-काल में सुनाई दे | यह तिहाई एक आवर्तन की है, जिसे साधारण तिहाई भी कहा जाता है |

**आवर्तन- ताल के ठेके का एक बार अनुसरण करने को कहते हैं, जैसे तीन ताल कि 16 मात्राएँ एक आवर्तन हुई तथा दो बार ठेका बजने पर दो आवर्तन हुए |**

चक्रदार तिहाई

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाधा | तिट | धाधा | तिना | धाS | धाधा | तिना | धाS |
| धाधा | तिना | धाS | धाधा | तिट | धाधा | तिना | धाS |
| धाधा | तिना | धाS | धाधा | तिना | धाS | धाधा | तिट |
| धाधा | तिना | धाS | धाधा | तिना | धाS | धाधा | तिना |
| धा | | | | | | | |

**(नोट**:अगले अध्याय पर जाने से पहले कम से कम 1 हफ्ता अध्याय 1 से 9 तक के पाठ्यक्रम का रियाज़ अवश्य करें ।)

Soul of Rhythm

Scan QR for Lesson Video

***Basic Kaida 3***

# 10. कायदा(धाधा तिटकिट)

इस अध्याय से हम तीन ताल में 'धाधा तिटकिट' का कायदा बजाना सीखना आरम्भ करेंगे | नीचे दिए गये कायदे को बजाने के लिए छात्र मध्य लय का प्रयोग करें | नीचे दी गयी नोटेशन से आपको मात्रा के अनुसार बोल बजाने का ज्ञान होता रहेगा |

कायदा न. 4

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाधा | तिटकिट | धाधा | तिना | ताता | तिटकिट | धाधा | धिना |
| धाधा | तिटकिट | धाधा | तिना | ताता | तिटकिट | धाधा | धिना |

**निकास**- 'धा' वर्ण बजाने के लिए बाएँ तबले पर 'घे' वर्ण के साथ दायें तबले पर 'ता' वर्ण बजाया जाता है | 'तिट' बोल को बजाने के लिए दायें तबले पर स्याही के मध्य भाग में माध्यम ऊँगली से बंद आघात कर 'ति' वर्ण बजाया जायेगा, फिर स्याही के मध्य भाग में तर्जनी ऊँगली से बंद आघात करके 'ट' वर्ण प्राप्त होगा | 'किट' वर्ण को बजाने के लिए पहले बाएँ तबले पर हाथ सीधा रखकर 'क' वर्ण बजाना है तथा उसके बाद दायें तबले पर स्याही के मध्य भाग में माध्यम ऊँगली से बंद आघात करना है, ('ती' वर्ण कि तरह) | 'तिना' वर्ण में पहले तर्जनी ऊँगली से स्याही के कोने पर खुला अघात किया जायेगा फिर 'ना' वर्ण के लिए उसी तर्जनी ऊँगली से किनार पर आघात किया जाता है | 'धिना' वर्ण में पहले बाएँ तबले पर 'घे' के साथ दायें तबले पर तर्जनी ऊँगली से स्याही के कोने पर खुला अघात किया जायेगा फिर 'ना' वर्ण के लिए उसी तर्जनी ऊँगली से किनार पर आघात किया जाता है | आगे दिए गये पलटों तथा तिहाई का निकास भी इसी प्रकार रहेगा |

पलटा 1

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाधा | तिटकिट | धाधा | तिटकिट | धाधा | तिटकिट | धाधा | तिना |
| ताता | तिटकिट | ताता | तिटकिट | धाधा | तिटकिट | धाधा | धिना |

पलटा 2

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धातिट | किटधा | धाधा | तिटकिट | धाधा | तिटकिट | धाधा | तिना |
| तातिट | किटता | ताता | तिटकिट | धाधा | तिटकिट | धाधा | धिना |

पलटा 3

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाधा | धातिट | किटधा | तिटकिट | धाधा | तिटकिट | धाधा | तिना |
| ताता | तातिट | किटता | तिटकिट | धाधा | तिटकिट | धाधा | धिना |

पलटा 4

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाधा | Sधा | धाधा | तिटकिट | धाधा | तिटकिट | धाधा | तिना |
| ताता | Sता | ताता | तिटकिट | धाधा | तिटकिट | धाधा | धिना |

पलटा 5

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धातिट | किटधा | तिटकिट | धाधा | धाधा | तिटकिट | धाधा | तिना |
| तातिट | किटता | तिटकिट | ताता | धाधा | तिटकिट | धाधा | धिना |

तिहाई

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाधा | तिटकिट | धाधा | तिना | धाS | SS | धाधा | तिटकिट |
| धाधा | तिना | धाS | SS | धाधा | तिटकिट | धाधा | तिना |
| धा | | | | | | | |

(**नोट**: तिहाई में दिया गया 'S' चिह्न विश्राम काल का चिह्न है | यहाँ आपको कुछ नहीं बजाना परन्तु कोशिश यही होनी चाहिए की 'S' से पहले की मात्रा पर खुला आघात हो ताकि उसकी गूँज इस विश्राम-काल में सुनाई दे | यह तिहाई एक आवर्तन की है, जिसे साधारण तिहाई भी कहा जाता है |

**आवर्तन- ताल के ठेके का एक बार अनुसरण करने को कहते हैं, जैसे तीन ताल कि 16 मात्राएँ एक आवर्तन हुई तथा दो बार ठेका बजने पर दो आवर्तन हुए |**

चक्रदार तिहाई

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाधा | तिटकिट | धाधा | तिना | धाS | धाधा | तिना | धाS |
| धाधा | तिना | धाS | धाधा | तिटकिट | धाधा | तिना | धाS |
| धाधा | तिना | धाS | धाधा | तिना | धाS | धाधा | तिटकिट |
| धाधा | तिना | धाS | धाधा | तिना | धाS | धाधा | तिना |
| धा | | | | | | | |

**(नोट**:अगले अध्याय पर जाने से पहले कम से कम 1 हफ्ता अध्याय 1 से 10 तक के पाठ्यक्रम का रियाज़ अवश्य करें ।)

Soul of Rhythm

Scan QR for Lesson Video

***Basic Kaida 4***

# 11. रेला

रेला एक ऐसी रचना है जिसका निर्माण कायदा की तरह ही होता है परन्तु कायदा जहां चौगुन लय तक ही बजाया जाता है वहीँ रेला चौगुन लय से आरम्भ होकर अठगुण लय या उससे भी अधिक लय में बजाया जा सकता है | कायदा की ही तरह इसका भी विस्तार किया जाता है | रेला की रचना 'तिटकिटतक', 'धिनगिन', 'धिरधिर', 'किटतक', आदि बोलों से होती है | आइये अब हम तीन ताल में रेला का एक रूप सीखते हैं |

**रेला**

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धातिट | किटधा | तिटकिट | ताता | तातिट | किटता | तिटकिट | धाधा |
| धातिट | किटधा | तिटकिट | ताता | तातिट | किटता | तिटकिट | धाधा |

**निकास-** 'धा' वर्ण बजाने के लिए बाएँ तबले पर 'घे' वर्ण के साथ दायें तबले पर 'ता' वर्ण बजाया जाता है | 'तिट' बोल को बजाने के लिए दायें तबले पर स्याही के मध्य भाग में माध्यम ऊँगली से बंद आघात कर 'ति' वर्ण बजाया जायेगा, फिर स्याही के मध्य भाग में तर्जनी ऊँगली से बंद आघात करके 'ट' वर्ण प्राप्त होगा | 'किट' वर्ण को बजाने के लिए पहले बाएँ तबले पर हाथ सीधा रखकर 'क' वर्ण बजाना है तथा उसके बाद दायें तबले पर स्याही के मध्य भाग में माध्यम ऊँगली से बंद आघात करना है, ('ती' वर्ण कि तरह) | 'ता' वर्ण के लिए दायें तबले पर तर्जनी ऊँगली से किनार पर आघात किया जाता है | आगे दिए गये पलटों तथा तिहाई का निकास भी इसी प्रकार रहेगा |

पलटा 1

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाधा | तिटकिट | धाधा | तिटकिट | धातिट | किटधा | तिटकिट | ताता |
| ताता | तिटकिट | ताता | तिटकिट | धातिट | किटधा | तिटकिट | धाधा |

पलटा 2

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धातिट | किटधा | धाधा | तिटकिट | धातिट | किटधा | तिटकिट | ताता |
| तातिट | किटता | ताता | तिटकिट | धातिट | किटधा | तिटकिट | धाधा |

पलटा 3

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाधा | धातिट | किटधा | तिटकिट | धातिट | किटधा | तिटकिट | ताता |
| ताता | तातिट | किटता | तिटकिट | धातिट | किटधा | तिटकिट | धाधा |

पलटा 4

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाधा | **S**धा | धाधा | तिटकिट | धातिट | किटधा | तिटकिट | ताता |
| ताता | **S**ता | ताता | तिटकिट | धातिट | किटधा | तिटकिट | धाधा |

तिहाई

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धातिट | किटधा | तिटकिट | धाधा | धाS | SS | धातिट | किटधा |
| तिटकिट | धाधा | धाS | SS | धातिट | किटधा | तिटकिट | धाधा |
| धा | | | | | | | |

चक्रदार तिहाई

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाधा | तिटकिट | धाधा | तिटकिट | धाS | धाधा | तिटकिट | धाS |
| धाधा | तिटकिट | **धाS** | धाधा | तिटकिट | धाधा | तिटकिट | धाS |
| धाधा | तिटकिट | धाS | धाधा | तिटकिट | **धाS** | धाधा | तिटकिट |
| धाधा | तिटकिट | धाS | धाधा | तिटकिट | धाS | धाधा | तिटकिट |
| **धा** | | | | | | | |

**(नोट**:अगले अध्याय पर जाने से पहले कम से कम 1 हफ्ता अध्याय 1 से 11 तक के पाठ्यक्रम का रियाज़ अवश्य करें |)

Soul of Rhythm

Scan QR for Lesson Video

***Rela Basic***

# 12. ठेका(दादरा, रूपक, कहरवा)

इस अध्याय में हम दादरा ताल, रूपक ताल तथा कहरवा ताल को सीखेंगे | इन तालों का चयन इनके अधिक लोकप्रिय होने तथा सरल होने के कारण किया गया है | भविष्य में हम अन्य तालों के विषय के बारे में भी सविस्तार चर्चा करेंगे |

**दादरा ताल** - यह 6 मात्रा का ताल है, जिसमें 3-3 मात्रा के 2 विभाग होते हैं | इस ताल में ताली- 1 पर तथा खाली- 4 पर है | दोनों विभाग समान मात्राओं के होने के कारण यह ताल समपदी ताल है | इसका प्रयोग लोक-संगीत, भजन-संगीत, ग़ज़ल, आदि गायन शैलियों में होता है |

***<u>ठेका</u>***

पहला प्रकार:

| धा | धिं | ना | धा | तिं | ना |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| X | | | O | | |

Scan QR for Lesson Video
***Dadra Taal Theka 1***

दूसरा प्रकार:

| धा | तिं | तिं | ताता | धिं | धिं |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| X | | | O | | |

Scan QR for Lesson Video
***Dadra Taal Theka 2***

**रूपक ताल** - यह 7 मात्रा का ताल है, जिसमें 3-2-2 मात्रा के 3 विभाग होते हैं | इस ताल में ताली- 4,6 पर तथा खाली- 1 पर है | विभागों की मात्रा संख्या दो तरीके की होने के कारण यह ताल विषमपदी ताल है | इसका प्रयोग लोक-संगीत, भजन-संगीत, ग़ज़ल, सोलो-वादन, साथ-संगत में होता है |

***<u>ठेका</u>***

पहला प्रकार:

| तिं | तिं | ना | धिं | ना | धिं | ना |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| O | | | 1 | | 2 | |

Scan QR for Lesson Video
***Roopak Taal Theka***

**कहरवा ताल** - यह 8 मात्रा का ताल है, जिसमें 4-4 मात्रा के 2 विभाग होते हैं | इस ताल में ताली- 1 पर तथा खाली- 5 पर है | दोनों विभाग समान मात्राओं के होने के कारण यह ताल समपदी ताल है | इसका प्रयोग लोक-संगीत, भजन-संगीत, ग़ज़ल,आदि में होता है |

***<u>ठेका</u>***

पहला प्रकार:

| धा | गे | ना | ती | न | क | धिं | ना |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| X | | | | O | | | |

Scan QR for Lesson Video
***Kehrwa Taal Theka 1***

दूसरा प्रकार:

| धा | तिट | तिं | तिं | ता | तिट | धिं | धिं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| X | | | | O | | | |

Scan QR for Lesson Video

***Kehrwa Taal Theka 2***

# 13. विष्णु नारायण भातखंडे ताल लिपि पद्धति

भारतीय संगीत में ताल के ठेके, तिहाई, टुकड़े, परन, आदि को लिपि बद्ध करने की प्रणाली को ताल लिपि पद्धति कहते हैं | इसका प्रयोग बंदिश या रचनाओं की गति को सही ढंग से समझने के लिए किया जाता है | भातखंडे ताल लिपि पद्धति का निर्माण पं. विष्णु नारायण भातखंडे जी ने किया था |

यह पद्धति सरल और सर्वाधिक लोकप्रिय है | उत्तर भारत में इसका प्रचलन बहुत अधिक है | इस पद्धति में सम का चिह्न 'X' है, खाली का चिह्न 'O' है और शेष तालियों के स्थान पर ताली की गिनती लिखी जाती है, जैसे; झपताल की तीसरी और आठवीं मात्रा पर क्रमश: 2 तथा 3 लिखा जाता है | विभागों में विभाजन के लिए खडी रेखा '|' का चिह्न प्रयोग किया जाता है |

**झपताल**- यह 10 मात्रा का ताल है | जिसमे 1,3,8 पर ताली तथा 6 पर खाली

| धि | ना | धि | धि | ना | ति | ना | धि | धि | ना |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| X | | 2 | | | 0 | | 3 | | |

एक मात्रा में एक ही अक्षर के लिए कोई चिह्न प्रयोग नहीं किया जाता परन्तु एक से अधिक अक्षर या बोलों के लिए '‿' चिह्न का प्रयोग किया जाता है |

उदाहरण के लिए एक ताल का ठेका दिया जा रहा है जिसमे 'धागे' एक ही मात्रा में 2 अक्षर तथा 'तिटकिट' एक ही मात्रा में 4 अक्षर प्रयोग कर रहा है |

**एकताल**- यह 12 मात्रा का ताल है | जिसमें 2-2-2-2-2-2 मात्रा के 6 विभाग होते हैं | 1,5,9,11 पर ताली तथा 3,7 पर खली |

| धिन | धिन | धागे | तिटकिट | तू | ना | क | ता | धागे | तिटकिट | धिन | ना |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
| X | | 0 | | 2 | | 0 | | 3 | | 4 | |

विश्रांति काल दर्शाने के लिए इस पद्धति में 'S' चिह्न का प्रयोग किया जाता है | उदाहरण के लिए दीपचंदी ताल का ठेका दिया जा रहा है |

**दीपचंदी**- यह 14 मात्रा का ताल है | जिसमे 3-4-3-4 मात्रा के 4 विभाग होते हैं | 1,4,11 पर ताली और 8 पर खाली |

| धा | धि | S | धा | घे | ति | S | ता | ति | S | धा | घे | धि | S |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 |
| X | | | 2 | | | | O | | | 3 | | | |

# 14. अपना निशुल्क सैशन बुक करें

इस हैण्ड-बुक को प्रैक्टिस समय यदि कोई परेशानी आये तो आप एक **निशुल्क सैशन** भी बुक कर सकते हैं | जिसमें मैं आपको उसका हल बताऊंगा तथा अन्य विषयों पर भी चर्चा हो सकेगी | सैशन बुक करने के लिए आप मेरे **WhatsApp** नंबर +91-9811450449 पर संपर्क कर सकते हैं | एक निश्चित समय तथा दिन देखकर आपका सैशन बुक कर दिया जायेगा |

इस सैशन के लिए आप Google Meets, Teams, Zoom, WhatsApp या किसी अन्य माध्यम का भी प्रयोग कर सकते हैं | यह सैशन 45-60 मिनट का रहेगा | जिसमें आपके प्रश्नों के उत्तर दिए जायेंगे, साथ ही साथ हाथ का रखाव, रियाज़ की पद्धति तथा समय, आदि विषयों पर भी चर्चा होगी |

# MANJEET SINGH

## FOUNDER - SOUL OF RYTHMS

I am a Tabla Trainer, providing training worldwide to 15+ Countries. I have a well-structured and systematic syllabus for you. Join now and be a part of the Delhi & Punjab Gharana Tradition.


**Call**
+91-9811450449

**WhatsApp**
CLICK TO CHAT

**Email**
manjeet@soulofrythms.com

**Website**
www.soulofrhythm.com


## EDUCATION

**2011**

### VISHARAD (TABLA)

I completed my visharad Purna exam from Gandharva Mahaviyalaya Mandal with the best grades.

**2014-2016**

### Bachelor in Tabla

I completed three years of undergraduate with Tabla from Punjabi University, Patiala.

**2016-2018**

### Master in Tabla

I completed two years of Master's Program with Tabla from Punjabi University, Patiala.

## WORK EXPERIENCES

**2007-2022**

### Tabla Player

I served as an A-Grade Tabla Player at Delhi Sikh Gurudwara Management Committee for 14 Years.

**2017-PRESENT**

### Founder - Soul Of Rythms

I started working in the teaching field in 2017 and started 'Soul Of Rythms'. I also worked with many institutes to provide guidance and training in Tabla Training.

## COMMUNICATION SKILLS

**ENGLISH** ★★★★★

**PUNJABI** ★★★★★

**HINDI** ★★★★★

Soul of Rhythm

# FOLLOW US ON *social media*

Follow us on our social media platforms and don't miss any updates.

www.soulofrhythm.com

CLICK HERE SCAN ME

CLICK HERE SCAN ME

CLICK HERE SCAN ME

CLICK HERE SCAN ME

*THANKS FOR SUPPORTING US!*